देश आजाद हो गया पर कांग्रेस ने 50 साल तक गुलाम रखा : राजावत

कोटा, (निसं)। 1947 में आजादी के बाद पहली बार देशभक्ति का जुनून और जज्बा पूरे देश में देखने को मिल रहा है, उत्तर से दक्षिण तक और पूर्व से पश्चिम से चहुंदिशायें तिरंगे में रंगी हुई है।

आजादी के अमृत महोत्सव के इस अभियान की श्रृंखला में पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत की स्वाभिमान तिरंगा रैली में हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, शहीद स्मारक से रवाना हुई इस रैली में शामिल लोगों के मन में देशप्रेम इस कदर हिलोरें ले रहा था कि लोग वाहन के साथ पैदल ही नाचते गाते चलते रहे और झण्डे लहराते हुए "भारत माता की जय" के नारों से आकाश को गुंजायमान कर दिया। रैली में इतना जनसमूह उमड़ा कि रैली का अगला सिरा अग्रसेन सर्किल, विवेकानन्द सर्किल और जेल के सामने होते हुए जब अंटाघर चौराहे पर पहुंचा तब तक आखिरी सिरा स्टेडियम के पास ही था। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए राजावत ने कहा कि भले ही 1947 में हमें आजादी मिली लेकिन हमें उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत ने तिरंगा रैली का आयोजन किया।

यह संविधान निर्माताओं की भूल थी कि जब भारत से अलग होकर पाकिस्तान इस्लामिक देश बना तो भारत को हिंदू राष्ट्र बनाया जाना चाहिए था लेकिन महात्मा गांधी के सलाहकार जवाहर लाल नेहरू थे जिनकी बदौलत ही भारत खंडित हुआ, भले ही देश आजाद हो गया हो लेकिन उसके बाद भी 50 साल तक कांग्रेस के शासन में देश गुलाम ही रहा, लोग पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा के लिए तरसते रहे और विकास पर प्रतिबंध लगा रहा। प्रदेश में ही आधारभूत ढांचे की स्थिति यह थी कि बरसात के मौसम में हाड़ौती, शेखावाटी, मारवाड़, मेवाड़, ढूंढाड़ सम्भाग एक दूसरे से कट जाते थे, हाड़ौती में ही चम्बल, काली सिंध, परवन, पार्वती, मेज आदि नदियों के प्रवाह से जनजीवन अलग-थलग पड़ जाता था।

- भवानीसिंह राजावत के नेतृत्व में तिरंगा रैली में लोग उमड़े

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के शासन में चम्बल पर 5 पुलियायें और अन्य नदियों पर 1-1 किलोमीटर लम्बी पुलियायें बनने के बाद वर्षा ऋतु में आवागमन का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी हजारों गांव अंधेरे में डूबे हुए थे, 50-50 गांवों के बीच 1 स्वास्थ्य केन्द्र था, शिक्षा प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को 10-15 किलोमीटर पैदल जाना पड़ता था। लेकिन अब देश की तकदीर और तस्वीर बदल गई है, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हट गई है, लोगों के बरसों के त्याग और तपस्या के बाद राम मंदिर का निर्माण पूरा होने वाला है, कश्मीर की छुटपुट घटनाओं के अलावा देश में आतंकवाद का सफाया हो गया है। वर्षों तक आतंकवाद के दंश झेलने के बाद अब मोदी के शासन में एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक से बांबी में ही सांपों का फन कुचला जाने लगा है। कुल मिलाकर देशवासियों को अब असली आजादी का अहसास होने लगा है।

स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में जिला कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगी

झालावाड़ (निसं)। 75वें स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय समारोह 15 अगस्त को श्री जीमेहमी पुलिस परेड ग्राउण्ड पर आयोजित होगा। समारोह में मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित द्वारा प्रातः नौ बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। तत्पश्चात् राष्ट्रीय ध्वज को सलामी, राज्यपाल का संदेश पठन, उत्कृष्ट कार्य निष्पादित करने वालों को पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किए जाएंगे। वहीं पुलिस, एनसीसी, स्काउट, गाईड्स एवं अन्य शिक्षण संस्थाओं के प्रतिभागियों द्वारा मार्च पास्ट, छात्र-छात्राओं द्वारा सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन किया जाएगा।

साइकिल रैली का आयोजन हुआ

झालावाड़ (निसं)। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत रविवार को रन फोर फ्लेग साइकिल रैली का मिनी सचिवालय से राजकीय खेल संकुल तक आयोजन किया गया। रैली को अतिरिक्त जिला कलेक्टर राधेश्याम डेलू ने मिनी सचिवालय से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। साइकिल रैली मिनी सचिवालय से मूर्ति चौराहा, मंगलपुरा, बडा बाजार, मोटर गैराज होते हुए राजकीय खेल सकुंल जाकर सम्पन्न हुई। जहां सभी प्रतिभागियों को अतिरिक्त जिला कलेक्टर द्वारा मैडल प्रदान किए गए। रैली में जिला खेल अधिकारी कृपाशंकर शर्मा,साईक्लिंग वेलफेयर सोसायटी के कुलदीप अरोड़ा, मनोज शर्मा, पुरूषोत्तम योगी, विक्रम टाक सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

जिला कारागार में आजादी के अमृतोत्सव पर व्याख्यान का आयोजन हुआ

बून्दी (निसं)। जिला कारागार में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रंखला में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तीन सौ बंदियों ने आजादी के महत्व को आत्मसात कर स्वयं को नई सकारात्मक दिशा देने का संकल्प लिया।

जेल सभागार में उमंग संस्थान के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान सचिव कृष्णकांत राठौर व समन्वयक सर्वेश तिवारी मुख्य वक्ता रहे, अध्यक्षता कारागार उपाधीक्षक निरंजन शर्मा ने की। एकाग्रचित्त सकारात्मक वातावरण में जेल सभागार में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर कृष्णकांत राठौर ने आजादी का अमृत महोत्सव आवश्यकता व महत्व पर व्याख्यान देते हुए 1857 की आजादी के महासमर से लेकर 1947 की आजादी तक के स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन बलिदान के इतिहासक का परिचय दिया।

- जेल में बंदियों ने स्वयं को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प लिया
- 'कैदी स्वयं की शक्ति को पहचानें, आत्मविकास कर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनें'

उन्होंने कहा कि असंख्य स्वतंत्रता सैनानियों की कठोर तपस्या से हमे आजादी मिली है इसे अक्षुण्ण रखना हमारा नैतिक दायित्व है। मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोन्धित करते हुए लेखन व मनोवैज्ञानिक शोध से क्षेत्र से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर ने सर्वेश तिवारी ने बंदियों को आजादी के मायने हमारा दायित्व तथा व्यक्तित्व विकास से राष्ट्र निर्माण विषय पर व्याख्यान में शरीर बोध से आत्मबोध व सकारात्मक चिंतन से आंतरिक स्वतंत्रता का बोध करवाया। उन्होंने कहा कि हम स्वयं को स्वीकारें आजादी की उपादेयता तभी है जब आप इस कारागार के समय का सदुपयोग आत्मविकास में करें, स्वयं की शक्ति को पहचाने, सृजनात्मक दिशा प्रदान कर व स्वयं के विकास के साथ समाज व राष्ट्र के निर्माण में सहभागी बने।

अध्यक्षीय उद्बोधन में उपाधीक्षक शर्मा ने कैदियों को आजादी की आवश्यकता उसकी रक्षा से जुड़े दायित्वों का बोध करवाया उन्होंने कहा कि हम अपराध बोध से उभरकर आत्मबल से आजादी की वास्तविकता से अपना नव निर्माण करें यह समय की महती आवश्यकता है।

इस अवसर पर बंदियों ने तालियों की गडगडाहट के बीच स्वतंत्रता दिवस से स्वयं के जीवन मे सकारात्मक परिवर्तन के प्रयास का संकल्प लिया। इससे पूर्व सभागार में बंदियों को आजादी अमृत उत्सव कार्यकर्मो की श्रृंखला में हर घर तिरंगा अभियान सहित आयोजित विभिन्न कार्यकर्मो की जानकारी दी गयी। व्याख्यान माला का संचालन एडवांस यूनिट लीडर संस्थान शैक्षिणक प्रकोष्ठ प्रभारी महावीर सोनी ने किया। उपाधीक्षक शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया व आभार प्रकट किया।

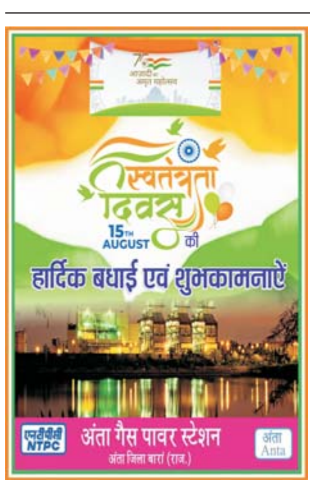

रक्षा सूत्र बांधा

छबड़ा (निसं)। कस्बे में ब्रह्मकुमारी द्वारा रक्षा सूत्र बांधने का कार्य लगातार जारी है। रविवार को केंद्र संचालिका नीलू दीदी ने एडीजे प्रीति नायक को शिव बाबा चिन्हित रक्षा सूत्र बांध ईश्वरीय सौगात भेंट की गई।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में वृक्षारोपण किया

बूंदी (निसं)। भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर संत निरंकारी मिशन द्वारा अरबन ट्री क्लस्टर अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। वननेस-वननाम की इस परियोजना को सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से संपूर्ण भारत में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया व वृक्षों का रोपण किया गया।

महेश चांदवानी ने बताया कि यह कार्यक्रम बूंदी जिले में कृषि उपज मंडी में आयोजित किया गया।संत निरंकारी मिशन के सेवादार वृक्षों को लगाने के उपरांत तीन वर्षों तक निरंतर उनकी देखभाल भी करेंगे। जिसमें वृक्षों की सुरक्षा, खाद एवं जल की सुचारू रूप से व्यवस्था करना सम्मिलित है। संचालक ओम सुहल व शिक्षक महेश खत्री की उपस्थिति में 75 छायादार वृक्ष लगाए गए।

संयोजक गुरमुखदास चांदवानी ने कहा इस महाअभियान में संत निरंकारी मिशन के सेवादारों एवं श्रद्धालुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। प्राण वायु जो हमें इन वृक्षों से प्राप्त होती है धरती पर इसका संतुलन बनाने के लिए हमें स्थान स्थान पर वनों का निमार्ण करना आवश्यक है, जिससे कि अधिक मात्रा में आक्सीजन का निर्माण होगा और उतनी ही शुद्ध वायु प्राप्त होगी। जिस प्रकार वनो का स्वरूप अनेकता में एकता का दृश्य प्रस्तुत करता है उसी प्रकार मानव को भी समरत भेदभावों को भुलाकर शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के भाव में रहकर संसार को निखारते चले जाना है। जिस प्रकार बड़े बुर्जुगों का आशीष हमारे लिए अनिवार्य है उसी प्रकार से वृक्ष भी हमारे जीवन के लिए अत्याधिक महत्त्वपूर्ण है। बननेस वन नाम की इस परियोजना के अन्तर्गत संपूर्ण भारत के भिन्न भिन्न स्थानों पर वृक्षों के समूह लगाये गये जिनकी अधिक संख्या के प्रभाव से आसपास का वातावरण प्रदूषित होने से बचेगा।

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-1656 — **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** — दिनांक:-10.08.2022

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना विनोबा भावे नगर का भूखंड संख्या 1310 श्री राकेश चन्द जैन पुत्र मोतीलाल को आवंटन न्यास के पत्र दिनांक 24.4.2010 को किया गया था। आवंटी श्री राकेश चन्द जैन पुत्र श्री मोती लाल जैन द्वारा उक्त भूखंड का जर्ये मुख्तारआम श्री नरेश कुमार पुत्र श्री गोरी शंकर के द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय दिनांक 7.6.2022 को श्रीमती मीना नागर पत्नी नरेश कुमार नागर को विक्रय कर दिया गया है। अतः क्रेता श्रीमती मीना नागर पत्नी श्री नरेश कुमार द्वारा उक्त भूखंड का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड संख्या 1310 योजना विनोबा भावे नगर का नाम हस्तान्तरण क्रेता श्रीमती मीना नागर पत्नी श्री नरेश कुमार के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

ऑपरेशन 'निर्भीक एवं संस्कार' कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ

जिला पुलिस और 2407 केयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में ऑपरेशन निर्भिक एवं ऑपरेशन संस्कार कायर्क्रम का आयोजन मिनी सचिवालय स्थित ऑडिटोरियम हॉल में किया गया।

झालावाड़ (निसं)। रविवार को जिला पुलिस और 2407 केयर फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में ऑपरेशन निभिर्क एवं ऑपरेशन संस्कार कायर्क्रम का आयोजन मिनी सचिवालय स्थित ऑडिटोरियम हॉल में किया गया। उक्त कायर्क्रम में जिले के प्रशासनिक/पुलिस अधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण, सुरक्षा सखी, ग्राम रक्षक, सी.एल.जी. सदस्यों एवं स्कूली छात्राओं ने हिस्सा लिया।

कायर्क्रम के अन्तगर्त जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि बालिकाओं को समानता के अधिकार के साथ-साथ कर्तव्य का पालन करने के लिये तैयार रहना चाहिये और खुद को स्वंय भी निभिर्क बनाकर समस्याओं का सामना करना चाहिये। पुलिस अधीक्षक ऋच तोमर ने अपने उद्बोधन में कहा कि बालिकाओं के लिये भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिये बालकों को संस्कार देने पर जोर देते हुऐ कहा कि पुलिस विभाग बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हमेश तैयार है, लेकिन इसके लिये उन्हें स्वंय भी निभिर्क बनना होगा।

इस अवसर पर प्रतिभाशाली बालिकाओं में पूजा तेजी, उज्जवला कानोडे, ऐश्वर्या अरोडा, सबा नाज एवं कृष्णा वर्मा को सम्मानित किया गया। गणमान्य अतिथियों द्वारा ऑपरेशन संस्कार और ऑपरेशन निभिर्क से संबंधित 20 पोस्टरों का विमोचन भी किया जिसमें आमजन में जागरूकता फैलाने के लिये उपयोग में लाया जाएगा कार्यक्रम के पश्चात सभी अतिथियों द्वारा मिनी सचिवालय स्थित संस्कार वाटिका में पौधारोपण भी किया जिसका उद्देश्य देश का भविष्य बालक-बालिकाओं को बचपन से ही अच्छे संस्कारों से पोषण देकर उनका भविष्य निमार्ण करना है। साथ ही उक्त कायर्क्रम के सन्दर्भ में पुलिस अधिकारी/कमर्चारियों की वाहन रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम अंत में देवेन्द्र सिंह राजावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया।